उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,

हल्द्वानी

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

माह सितम्बर, 2020

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 1–7 सितम्बर, 2020

प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा 1 से 7 सितम्बर, 2020 के मध्य राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया गया। इस सप्ताह को मनाने का मूल उद्देश्य जनमानस में पोषण सम्बंधी जागरुकता बढ़ाना है। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा भी सितम्बर 2020 माह को 'पोषण माह' के रूप में मनाने का सभी देशवासियों को संदेश दिया गया है जिसमें उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण पर जोर देने की बात कही है। गृह विज्ञान विभाग प्रत्येक वर्ष इस सप्ताह में पोषण जागरुकता कैम्प, कार्यशालाएं, पोस्टर/चार्ट प्रयोगिताएं, क्विज, आहारीय परामर्श सत्र आदि का आयोजन कराता रहा है परंतु इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते विभाग द्वारा विश्वविद्यालय में कार्यक्रम नहीं आयोजित कराए गए। इस वर्ष इस सप्ताह को ऑनलाइन माध्यम से मनाया गया।

इस सप्ताह के दौरान विभाग के शिक्षकों द्वारा पोषण के विभिन्न आयामों पर विश्वविद्यालय के रेडियो चौनल "Hello Haldwani 91.2 FM" पर रेडियो कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया। निम्न विषयों पर रेडियो वार्ताएं प्रस्तुत की गईं।

- कोविड–19 के दौरान खाद्य हैंडलिंग तथा सुरक्षा
- आहार एवं हमारी रोग प्रतिरक्षा प्रणाली
- कोविड–19 तथा वैश्विक खाद्य सुरक्षा
- बच्चों के दैनिक जीवन तथा स्वास्थ्य पर कोविड–19 का प्रभाव
- उत्तराखण्ड के वन्य फल तथा उनकी पोषण महत्ता

विभाग द्वारा पोषण सप्ताह के उपलक्ष्य में एक ऑनलाइन स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसका शीर्षक थारू ष्कोविड–19 महामारी के दौरान पोषण का महत्वष्/ "Importance of nutrition during COVID&19 pandemic" पोषण सप्ताह में विभाग द्वारा एक ऑनलाइन पोषण क्विज भी आयोजित की गई। गृह विज्ञान के शिक्षार्थियों द्वारा इन दोनों प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया गया जिसके निम्न परिणाम रहे।

क्विज प्रतियोगिता

- वैशाली विश्नोई
- साक्षी चौहान
- विजेता मिश्रा
- कविता मेहता

स्लोगन प्रतियोगिता

- प्रथम: रोहिनी कर्नवाल
- द्वितीय: नीता बिष्ट
- तृतीय: चौना बिष्ट

दिनांक 16 सितम्बर 2020 को कार्य परिषद की 28वीं बैठक का आयोजन

दिनांक 16 सितम्बर 2020 को विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की 28वीं बैठक का आयोजन मा0 कुलपति जी की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में कुल 20 प्रस्तावों पर चर्चा हुई जिनमें से अधिकतम प्रस्तावों पर अनुमोदन दिय गया।

बैठक में विभिन्न प्रस्तावों का अवलोकन कर विचारोपरान्त सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया–

- अन्तिम वर्ष/सेमेस्टर की परीक्षाएं सम्पन्न कराये जाने के संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं एम0एच0आर0डी0 के दिशा निर्देशों को अंगीकृत किये जाने के संबंध में विश्वविद्यालय परीक्षा समिति नियमावली निर्मित किये जाने हेतु निर्देर्शित किया गया।
- श्री अनिल कण्डारी, सहायक क्षेत्रीय निदेशक को पूर्व सेवाओं का लाभ देते हुए वेतन संरक्षण आदि प्रकरण निस्तारित किये जाने हेतु एक समिति का गठन किये जाने पर अनुमोदन प्रदान किया गया।
- विश्वविद्यालय हेतु सृजित 08 सहायक क्षेत्रीय निदेशकों तथा 07 कार्मिकों की की परिवीक्षाधीन अवधि समाप्त किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी।
- प्रो0 गोविन्द सिंह, प्रध्यापक, पत्रकारिता एवं जनसंचार के असाधारण अवकाश के उपरान्त विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण करने की सूचना से अवगत कराया गया।
- विश्वविद्यालय में नियोजित अकादमिक, प्रशासनिक एवं तकनिकी परामर्शदाताओं के कार्यकाल विस्तारण प्रक्रिया पर स्वीकृति प्रदान की गयी।
- चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अनु0–3, देहरादून, दिनांक 04 नई, 2020 द्वारा आयुष्मान भारत/अटल अयुष्मान, उत्तराखण्ड योजना के अन्तर्गत उत्तराखण्ड राज्य के समस्त राजकीय कार्मिकों एवं पेंशनर्स को राज्य SGHS (State Government Health Scheme) के अन्तर्गत चिकित्सकीय उपचार संबंधी व्यवस्थओं को विश्वविद्यालय कार्मिकों हेतु अंगीकृत किया गया। उक्त योजा से संबंधित अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को पूर्ण करवाये जाने के हेतु प्रोफेसर आर0 सी0 मिश्र, निदेशक अकादमिक व स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया।

बैठक में वाह्य सदस्य प्रो0 पी0एस0 बिष्ट, प्रो0 एल0एन0 कोली, श्री रमेश चन्द्र बिन्जोला, डॉ0 कुमकुम रौतेला तथा वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से प्रो0 नागेश्वर राव उपस्थित थे। बैठक में कुलसचिव, समस्त निदेशक, परीक्षा नियंत्रक, वित्त नियंत्रक एवं उपकुलसचिव द्वारा प्रतिभाग किया गया।

दिनांक 29 सितम्बर 2020 को परीक्षा समिति की 12वीं बैठक का आयोजन

दिनांक 29 सितम्बर 2020 को परीक्षा समिति की 12वीं बैठक आयोजित हुई, बैठक में अन्तिम वर्ष/सेमेस्टर के परीक्षार्थियों के अतिरिक्त मध्यवर्ती परीक्षार्थियों को प्रोन्नत (Promote) किये जाने हेतु एवं अन्य आवश्यकीय बिन्दुओं पर संस्तुति प्रदान की गई।

मा0 कुलपति जी की अध्यक्षता में आयोजित परीक्षा समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि प्रथम, द्वितीय वर्ष व सेमेस्टर के छात्रों को कोविड–19 के चलते यूजीसी के निर्देशों व नियमों के तहत **प्रोन्नत/उत्तीर्ण** किया जायेगा। छात्रों को उनके सत्रीय कार्यों के अंको के आधार पर थ्योरी के अंक प्रदान किये जायेगें। यदि कोई छात्र इन अंकों से संतुष्ट नहीं होता है तो उन्हें अंक सुधार परीक्षा का मौका दिया जाएगाा, व इसके लिए अलग से बैक फार्म भर सकते है। बैठक में कुलसचिव श्री भरत सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो0 पीडी पंत, प्रो0 एच पी शुक्ल, प्रो0 आर0सी0 मिश्र, प्रो0 गोविंद सिंह, प्रो0 गिरिजा पाण्डे आदि उपस्थित थे।

परीक्षा

- दिनांक 14 सितम्बर 2020 से 51 परीक्षा केन्द्रों में केवल अन्तिम वर्ष/सेमेस्टर की परीक्षाएं प्रारम्भ हुई, जिसके सफल आयोजन हेतु दिनांक 08 सितम्बर 2020 को लगभग 30 सदस्यों की टीमें कोरी उत्तरपुस्तिकाएं, प्रश्नपत्र व अन्य परीक्षा प्रपत्र पहुंचाने हेतु भेजी गई।
- परीक्षाओं के सफल संचालन/सुरक्षा हेतु समस्त जिलाधिकारियों, पुलिस अधीक्षको, निदेशक, उच्च शिक्षा / सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन, पुलिस महानिदेशक, (उत्तराखण्ड) कमिश्नर ऑफिस (गढवाल डिवीज़न) एवं पौड़ी गढ़वाल कमिश्नर ऑफिस (कुमाऊं डिवीज़न) को परीक्षा कार्यक्रम व परीक्षा केन्द्रों की सूची संलग्न कर अनुरोध पत्र भेजा गया।
- परीक्षाओं के आयोजन हेतु समस्त परीक्षा केन्द्रों को अग्रिम धनराशि उपलब्ध कराई गई। जिसका समायोजन बिल अन्तिम परीक्षा तिथि से एक माह के भीतर वि0वि0 को उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।
- परीक्षाओं के औचक निरीक्षण कार्य हेतु दिनांक 18 सितम्बर 2020 वि0वि0 स्तर से 02–3 सदस्यों की 18 टीमें व क्षेत्रीय स्तर से 03–4 सदस्यों की 03 टीमें परीक्षा केन्द्रों में भेजी गई।
- विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम MBA, B. Ed. (ODL), B.Ed. (Sep.Edu.) एवं चै.क में प्रवेश लिये जाने हेतु प्रवेश परीक्षा की अन्तिम तिथि 12 अक्टूबर 2020 तक विस्तारित की गई है। तद्दिनांक तक MBA–218, B. Ed (ODL) –520, B.Ed (Sep.Edu.)– 328 एवं Ph.D. –472 आवेदन प्रवेश परीक्षा हेतु वि0वि0 को प्राप्त हुए, जिसकी प्रवेश परीक्षा दिनांक 18 अक्टूबर 2020 को देहरादून व हल्द्वानी परीक्षा कन्द्रों में होनी प्रस्तावित है।
- दिसम्बर 2019 की परीक्षा से संबंधित नकल प्रकरण (UFM) की बैठक दिनांक 21 सितम्बर 2020 को एवं शिकायती प्रकरण (Grievances Committee) की बैठक दिनांक 19 सितम्बर 2020 को आयोजित कर निर्णय लिया गया।
- सितम्बर माह में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 620 मूल उपाधियॉ प्रमाणपत्र /सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

प्रवेश

- विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2020–21 में प्रवेश हेतु दिनांक 1 जुलाई, 2020 से प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई जिसकी अंतिम तिथि दिनांक–10 अक्टूबर की गई थी।
- दिनांक 30/09/2020 को उपलब्ध आकड़ों के अनुसार अब तक **कुल 52, 218 प्रवेशार्थियों द्वारा प्रवेश लिया जा चुका है।**
- प्रवेश की अंन्तिम तिथि दिनांक– 31 अक्टूबर, 2020 तक विस्तारित कर दी गई है।

सप्त दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

दिनांक 5 सितंबर 2020 को आयोजित भारत अध्ययन केंद्र काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी, तथा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी, आर्यावर्त शोध संस्थान देवभूमि विचार मंच उत्तराखंड, एवं संस्कृत भारती उत्तराखंड के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन सप्त दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का प्रारंभ हुआ। भारतीय ज्ञान परंपरा में संस्कृत की केंद्रीय भूमिका नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में यह कार्यशाला का मुख्य विषय है।

कार्यक्रम का उद्घाटन मंगलाचरण से प्रारंभ हुआ। कार्यशाला में सभी का स्वागत प्रोफेसर एच0 पी0 शुक्ल कार्यशाला निदेशक द्वारा किया गया। **विशिष्ट अतिथि डॉ धन सिंह रावत माननीय शिक्षा मंत्री उत्तराखंड सरकार** ने अपने उद्बोधन में कहा कि उत्तराखंड में प्रत्येक ब्लॉक में एक संस्कृत गांव की स्थापना की जाएगी। मुख्य अतिथि प्रोफ़ेसर कमलेश दत्त त्रिपाठी जी कुलाधिपति अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा एवं शताब्दी पीठाचार्य भारत अध्ययन केंद्र वाराणसी ने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्कृत भारत की भाषा नहीं है यह सारे भूखंड की भाषा है, यूनान से लेकर दक्षिण अफ्रीका के तट पर इसका प्रभाव है।

उद्घाटन सत्र का धन्यवाद ज्ञापन प्रोफ़ेसर सदाशिव द्विवेदी समन्वयक भारत अध्ययन केंद्र वाराणसी द्वारा किया गया ।प्रथम दिवस के तकनीकी सत्र में उद्बोधन देते हुए विशिष्ट अतिथि श्रीमान दिनेश कामत जी ,अखिल भारतीय संगठन मंत्री संस्कृत भारती ने कहा कि संस्कृत में अभी बहुत सारी संभावनाएं हैं ।

विशिष्ट वक्ता प्रोफेसर अंबिका दत्त शर्मा, दर्शन विभाग डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर मध्य प्रदेश ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में संस्कृत का स्थान और भारतीय परंपरा का महत्व विषय को लेकर नई शिक्षा नीति की विस्तृत समीक्षा की।

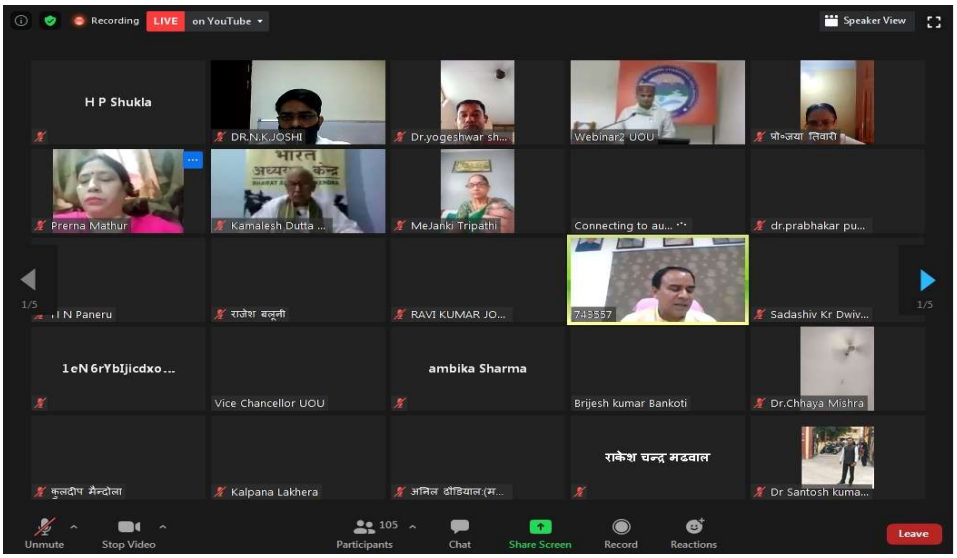

इन **दोनों सत्रों की अध्यक्षता प्रोसेसर ओ पी एस नेगी, कुलपति उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने की।** कुलपति जी ने भारतीय ज्ञान परंपरा का दिग्दर्शन तमाम ग्रंथों के आधार पर किया। विज्ञान के सिद्धांतों से उदाहरण देकर कुलपति जी ने कार्यशाला के विषय को संबोधित किया। उद्घाटन सत्र में उत्तराखंड संस्कृत यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर देवी प्रसाद त्रिपाठी जी भी उपस्थित रहे।

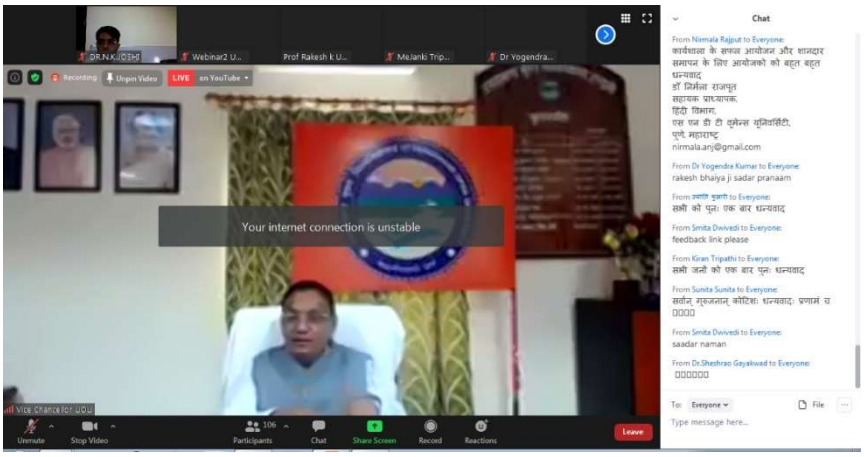

इस कार्यशाला में 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। कार्यक्रम के दौरान डॉ0 सूर्यभान सिंह, प्रोफेसर सोनू दिवेदी डॉक्टर नंदन तिवारी डॉक्टर नीरज जोशी डॉक्टर प्रभाकर पुरोहित, डॉक्टर गगन सिंह ,डॉक्टर जटाशंकर तिवारी, डॉ रश्मि पंत, डॉ चंद्रावती जोशी, डॉ उषा जोशी पंत ,डॉक्टर अखिलेश सिंह, बृजेश बनकोटी आदि उपस्थित रहे। तकनीकी सहायक राजेश आर्य एवं विनीत पौरियाल जी ने अपना सहयोग दिया। कार्यशाला का धन्यवाद ज्ञापन कार्यशाला संयोजक डॉ देवेश कुमार मिश्र के द्वारा किया गया।

सप्त दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन सत्र के अवसर पर आज दिनांक 11 सितंबर 2020 को भारत अध्ययन केंद्र काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी तथा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी, संस्कृतभारती उत्तराखंड के संयुक्त तत्वाधान में ऑनलाइन सप्त दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला – भारतीय ज्ञान परंपरा में संस्कृत की केंद्रीय भूमिका (शिक्षा नीति 2020 के विशेष संदर्भ में) हो रही कार्यशाला मंगलाचरण कर कार्यक्रम का प्रारंभ डॉ प्रभाकर पुरोहित ने किया।

इस अवसर पर अध्यक्षीय उद्‌बोधन प्रोफेसर ओ पी एस नेगी, कुलपति उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी जी ने दिया।अपने उद्‌बोधन में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षण की महत्ता की स्थापना भी होनी चाहिए। कार्यशाला में धन्यवाद ज्ञापन प्रोफ़ेसर सदाशिव द्विवेदी समन्वयक, भारत अध्ययन केंद्र, काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी ने किया।

कार्यशाला में देश के 24 राज्यों से 1308 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमें 3 प्रतिभागी यूएसए से भी इस कार्यशाला में प्रतिभाग कर रहे थे। इस संपूर्ण कार्यशाला में कुल 8 तकनीकी सत्र चलाए गए जिसमें 16 विषयों पर व्याख्यान किए गए। जिसमें देश के प्रबुद्ध विद्वानों विश्वविद्यालय के कुलपतियों, प्रवक्ताओं के द्वारा व्याख्यान दिए गए।

इस अवसर पर संस्कृतभारती उत्तराखंड की प्रान्ताध्यक्षा, श्रीमती जानकी त्रिपाठी, प्रोफेसर जया तिवारी कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल, डॉ सूर्य भान सिंह, डॉक्टर नंदन तिवारी, डॉ घनश्याम जोशी डॉ गगन सिंह ,डॉ नीरज जोशी, डॉ प्रभाकर पुरोहित, अखिलेश सिंह, तकनीकी सहायक राजेश आर्या, विनीत आदि उपस्थित रहे।

विश्व पर्यटन दिवस
दिनांक– 27 सितंबर, 2020

विश्व पर्यटन दिवस हर वर्ष 27 सितंबर को पुरे विश्व में मनाया जाता है। इस तिथि का एक विशेष महत्व है क्योंकि इसी दिन 1970 में यूएनडब्लूटीओ (संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन) के नियमों को अपनाया गया था द्य हर साल यूएनडब्लूटीओ एक विषय घोषित करता है जिसके तहत हर देश के पर्यटन उद्योग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है तथा पर्यटन के महत्व, समाज और संस्कृति पर इसके पड़ने वाले प्रभावों के बारे में लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है।

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर कोविड महामारी को ध्यान में रखते हुए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने दिनांक– 27 सितंबर 2020 को एक राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन माननीय कुलपति प्रोफेसर ओपीएस नेगी जी के अध्यक्षता में आयोजित किया गया एवं संयाजक प्रोफेसर आर.सी. मिश्र थे। वेबीनार का विषय – Tourism and Rural Development था।

कार्यक्रम में वक्ता के रूप में श्री प्रदीप राय,प्रबंध निदेशक, स्काईलाईन इण्डिया ट्रेवल्स प्राईवेट लि. , डॉ देवेश कुमार मिश्र, यूओयू, डॉ. संजीव कुमार, वसन्ता कोलेज फॉर वूमेन, वारानसी, डॉ. योगेन्द्र कुमार, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, बधालगंज आदि द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जटाशंकर आर तिवारी तथा डॉ. अखिलेश द्वारा किया गया।

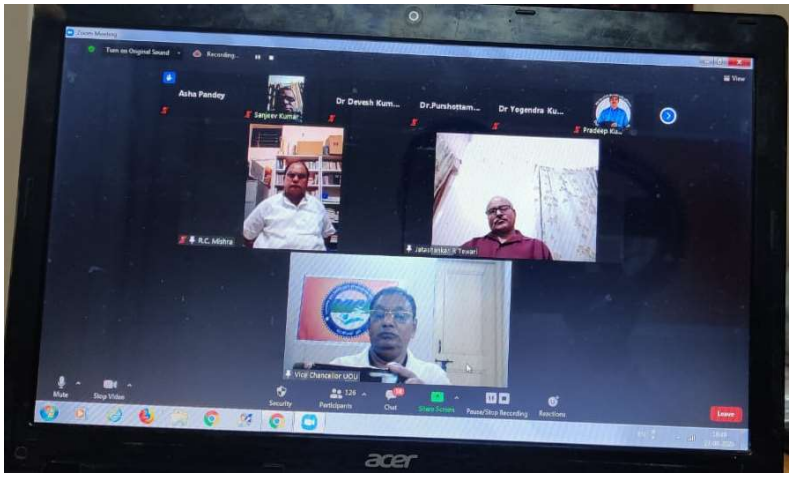

विश्वविद्यालय द्वारा नये पाठ्यक्रमों हेतु आवेदन

विश्वविद्यालय द्वारा अकादमिक सत्र 2020–21 से तीन नए पाठयक्रमों को प्रारंभ करने हेतु डेब, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली को आवेदन पत्र भेजा जा रहा है।

इन पाठ्यक्रमों में Master of Business Administration – Hospitality Administration, Bachelor of Business Administration – Hospitality Administration के अतिरिक्त Bachelor of Library & Information Science पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं। डेब विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से अनुमति प्राप्त होने के पश्चात् विश्वविद्यालय इन पाठ्यक्रमों को अकादमिक सत्र 2020–21 (शीतकालीन सत्र, जनवरी 2021) पाठयक्रम सम्मिलित हैं | डेब विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली से अनुमति प्राप्त होने के पश्चात विश्वविद्यालय इन पाठयक्रमों को अकादमिक सत्र 2020-2021 (जनवरी, 2021) से संचालित करेगा | इन पाठयक्रमों की अध्ययन सामग्री तैयार कर ली गई है

परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण

वर्तमान में संचालित विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा कुलपति प्रो0 ओ0पी0एसस0 नेगी द्वारा निम्न परीक्षा केन्द्रों का औचकर निरीक्षण किया गया–

- दिनांक 15/09/2020 को एम0बी0पी0जी0 कॉलेज, हल्द्वानी का औचक निरीक्षण।

- दिनांक 15/09/2020 को MIET, लामाचौड़, हल्द्वानी का निरीक्षण।

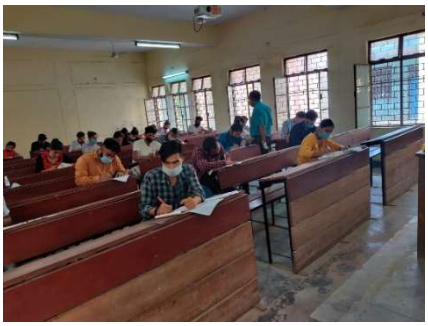

- दिनांक 18/09/2020 को राजकीय महाविद्यालय, रामनगर का निरीक्षण।

- दिनांक 18/09/2020 को राजकीय महाविद्यालय, काशीपुर का निरीक्षण।

- दिनांक 18/09/2020 को सरदार भगत सिंह महाविद्यालय, रूद्रपुर का निरीक्षण किया गया।

- दिनांक 21/09/2020 को राजकीय महाविद्यालय सितारगंज, उधम सिंह नगर का औचक निरीक्षण किया गया।

- दिनांक 21/09/2020 को राजकीय महाविद्यालय खटीमा, उधम सिंह नगर का औचक निरीक्षण किया गया।

- दिनांक 23/09/2020 को एम0बी0पी0जी0 कॉलेज, हल्द्वानी का औचक निरीक्षण।

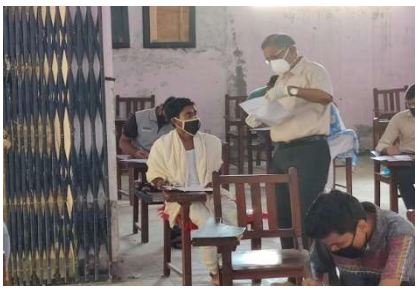

- दिनांक 23/09/2020 को सरदार भगत सिंह महाविद्यालय, रूद्रपुर का निरीक्षण किया गया।

- दिनांक 24/09/2020 को को MIET, लामाचौड़, हल्द्वानी का निरीक्षण।

- दिनांक 25/09/2020 को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामनगर का निरीक्षण।

- दिनांक 30/09/2020 को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार का निरीक्षण।

- दिनांक 30/09/2020 को कुलपति जी द्वारा स्वामी दर्शानान्द इन्सटीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टैक्नोलोजी, हरिद्वार का निरीक्षण किया गया। ।

अन्य अकादमिक गतिविधियॉं

- On 28 September 2020, Hon'ble Vice Chancellor, Prof. O.P.S. Negi attended Virtual meeting of Vice Chacellor of Open universities of India.

- दिनांक 19 सितम्बर, 2020 को माननीय धन सिंह रावत जी उच्च शिक्षा मंत्री (उत्तराखंड सरकार) द्वारा उच्च शिक्षा निदेशालय हल्द्वानी में उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों, निदेशक समाज कल्याण विभाग एवं साथ में उच्च शिक्षा से संबंधित निर्माण कार्यों की कार्यदायी संस्थाओं के साथ बैठक की गई। जिसमें विश्वविद्यालय में किये जा रहे निर्माण कार्य व रिक्त शिक्षकों के पदों को पूर्ण करने के बारे में समीक्षा हुई।

बैठक में डॉ बहादुर सिंह बिष्ट उपाध्यक्ष (उच्च शिक्षा उन्नयन समिति) , डॉ कुमकुम रौतेला निदेशक (उच्च शिक्षा), डॉ ओ पी एस नेगी कुलपति (उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय) और निदेशालय के अन्य अधिकारी मौजूद रहे ।

- दिनांक 16 सितंबर को मा0 कुलपति जी द्वारा पर्यावरण संरक्षण गतिविधि विषय पर आयोजित **कुलपतियों की प्रथम कोन्क्लेव** में प्रतिभाग किया गया जो कि प्रोफेसर डी0पी0 सिंह, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सभी कुलपतियों को पर्यावरण चेतना, जागरूकता व संवर्धन विषय पर यूजीसी द्वारा किया गया किये गये कार्यो पर जानकारी दी गई।

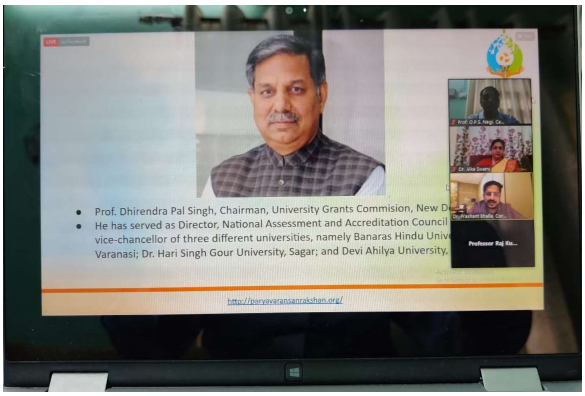

- दिनांक 14 सितम्बर, 2020 को हिन्दी दिवस के अवसर पर अमर उजाला की ओर से आयोजित वेबीनार में मा0 कुलपति जी द्वारा प्रतिभाग किया गया। वेबीनार में विभिन्न कुलपतियों द्वारा अनेक बहुमूल्य विचार दिये गये । उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत वेबीनार में आये सुझावों को अमल में लाने का भरोसा भी दिया।

- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 5–09–2020 से 11–09–2020 पर्यन्त संस्कृत विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय तथा भारत कला भवन (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित ''भारतीय ज्ञान परम्परा में संस्कृत की केन्द्रीय भूमिका'' विषयक सप्त दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रतिभाग किया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा एम.ए. ज्योतिष पाठ्यक्रम के शिक्षार्थियों के लिए प्रथम वर्ष की प्रथम इकाई ''ज्योतिष शास्त्र का परिचय'' विषयक वीडियो लेक्चर (व्याख्यान) दिया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 19 सितम्बर 2020 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला द्वारा आयोजित ''रामायण का वैश्विक स्वरूप'' विषयक एक दिवसीय वेबिनार में प्रतिभाग किया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा विश्वविद्यालय के हैलो हल्द्वानी रेडियो स्टेशन पर क्रमशः दो व्याख्यान दिया गया – विषय – 1. ज्योतिष विभागीय पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित जानकारी 2. अधिमास विचार।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 27 सितम्बर 2020 को उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय तथा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एकदिवसीय वेबिनार में प्रतिभाग किया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 27 सितम्बर 2020 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित ''Tourism and Rural Development'' विषयक एकदिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार में प्रतिभाग किया गया।
- Dr. Gopal Datt Participated in Five Day Online Faculty Development Program on "Soft Computing", organized by Amrapali Institute of Technology & Sciences, Haldwani, Nainital; during September 2 - 6, 2020 and Participated in Five Day Online Faculty Development Programme on “Cyber Security”, organized by Amrapali Institute of Technology & Sciences, Haldwani, Nainital; during September 16 - 20, 2020.
- **Dr. Nagendra Gangola, participated in seven days online workshop on the topic ''**भारतीय ज्ञान परम्परा में संस्कृत की केन्द्रीय भूमिका'' **organised jointly by Bharat Adhyyan Kendra Kashi Hindu Vishvavidyalaya and Department of Sanskrit Uttarakhand Open University.**

विश्वविद्यालय की गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है। (संलग्नक-क)

****